Website : www.alldstateuniversity.org E-mail ID- registrarasua@gmail.com

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०
Allahabad State University, Allahabad, U.P.

पत्रांकः इ०रा०वि०वि० / कु०स०का० / 229 / 2016, दिनांक 28 दिसम्बर, 2016

सेवा में,

समस्त संयोजक,
पाठ्यक्रम समिति,
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद।

विषयः विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न–पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला दिनांक 13.11.2016 की कार्यवाही।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न–पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला दिनांक 13.11.2016 की कार्यवाही की प्रति इस आशय से प्रेषित है कि समस्त सम्बन्धित को अपने स्तर से अवगत कराते हुए अग्रतर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक– यथोक्त।

(संजय कुमार)
कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. उपकुलसचिव, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद को इस आशय से कि कार्यवाही की प्रति विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों की कॉलेज लॉगिन पर अपलोड करायें।
2. निजी सचिव कुलपति को कुलपति जी के सूचनार्थ।
3. विश्वविद्यालय के सूचना बोर्ड हेतु।

कुलसचिव

पताः सी०पी०आई० परिसर, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद (उ०प्र०), फोनः 0532–2256207
Address : C.P.I. Campus, Mahatma Gandhi Road, Civil Lines, Allahabad (U.P.) Ph. 0532-2256207

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ0प्र0

कार्यवाही

दिनांक 13.11.2016 को पूर्वान्ह 11.00 बजे विश्वविद्यालय स्थित प्रेक्षागृह में "विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न–पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप" विषय पर आयोजित कार्यशाला की कार्यवाही।

कार्यशाला में निम्नवत् सदस्यगण उपस्थित रहे–

1	प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति	इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2	डॉ0 रजनी त्रिपाठी	प्रयाग महिला विद्यापीठ डिग्री कालेज, इलाहाबाद
3	डॉ0 शीला रानी यादव	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
4	डॉ0 पार्वती सिंह	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
5	डॉ0 इच्छा नायर	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
6	डॉ0 अरबिन्द मिश्र	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
7	डॉ0 कृष्ण प्रताप सिंह	स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पट्टी, प्रतापगढ़
8	डॉ0 विनोद शुक्ल	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
9	डॉ0 यू0 के0 सिंह	पी0बी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
10	डॉ0 ए0 पी0 सिंह	बजरंग पी0जी0 कालेज, कुण्डा, प्रतापगढ़
11	डॉ0 राजीव मालवीय	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
12	राकेश कुमार सिंह	बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़
13	यमुना पाल सिंह	बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़
14	डॉ0 श्रीप्रकाश	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
15	डॉ0 अजय कुमार राय	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
16	डॉ0 मो0 खालिद मसरूर	भवंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
17	डॉ0 अरून कुमार श्रीवास्तव	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
18	डॉ0 निशा सिंह	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
19	डॉ0 उमा जायसवाल	भावंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
20	श्रीमती रश्मि सिंह	पी0बी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़ सिटी
21	डॉ0 अजीता भट्टाचार्या	लाला लक्ष्मी नारायन डिग्री कालेज, इला0
22	डॉ0 एस0बी0 गुप्ता	एम0एम0पी0जी0 कालेज, कालाकांकर, प्रता0
23	डॉ0 अशोक कुमार	कुलभास्कर आश्रम पी0जी0 कालेज, इला0
24	डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद	कुलभास्कर आश्रम पी0जी0 कालेज, इला0
25	राजेन्द्र प्रताप सिंह	कुलभास्कर आश्रम पी0जी0 कालेज, इला0
26	डॉ0 सी0एस0 चौबे	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
27	डॉ0 रनन्जय सिंह	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
28	डॉ0 रेखा सिंह	एम0एम0पी0जी0 कालेज, कालाकांकर, प्रता0
29	डॉ0 सलीमुद्दीन	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
30	डॉ0 अखिलेश त्रिपाठी	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
31	डॉ0 राम लखन पाल	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
32	डॉ0 शिव प्रसाद विश्वकर्मा	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
33	डॉ0 विरेन्द्र नाथ पाण्डेय	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद

34	डॉ0 बिपिन कुमार	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
35	डॉ0 ए0सी0 सिंह	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
36	डॉ0 सूर्यभान सिंह	एम0एम0पी0जी0 कालेज, कालाकांकर, प्रतापगढ़
37	डॉ0 रूबी चौधरी	भावंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
38	डॉ0 कविता श्रीवास्तव	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
39	डॉ0 अर्चना सिंह	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
40	डॉ0 अमिता श्रीवास्तव	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
41	डॉ0 पी0के0	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
42	डॉ0 रवी प्रसाद श्रीवास्तव	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
43	डॉ0 ज्योति शंकर	के0ए0पी0जी0 कालेज, इलाहाबाद
44	दीप्ति शुक्ला	पी0एम0वी0 डिग्री कालेज, इलाहाबाद
45	डॉ0 जूही शुक्ला	पी0एम0वी0 डिग्री कालेज, इलाहाबाद
46	डॉ0 रजवन्त सिंह	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
47	डॉ0 महेन्द्र कुमार जायसवाल	एल0एल0एन0डी0सी0, इलाहाबाद
48	डॉ0 राज देव सिंह भदौरिया	बजरंग पी0जी0 कालेज, कुण्डा, प्रतापगढ़
49	अमिता सिन्हा	एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ़
50	प्रो0 जे0एन0 मिश्र	विशेष आमंत्रित।
51.	श्री संजय कुमार	कुलसचिव
52.	श्रीमती दीप्ति मिश्रा	उपकुलसचिव

कार्यशाला के आरम्भ में सर्वप्रथम कुलसचिव द्वारा समस्त आमंत्रित विद्वतजनों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया। इसके पश्चात् माननीय कुलपति महोदय ने पाठ्यक्रम, प्रश्न–पत्रों के निर्माण एवं परीक्षा की शुचिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के समस्त विषयों/पाठ्यक्रमों की गठित पाठ्यक्रम समिति (Board of Studies) के आन्तरिक सदस्यों के समक्ष कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य को विस्तृत रूप से रेखांकित किया। कुलपति महोदय ने पाठ्यक्रम समिति के समस्त सदस्यों से विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के ससमय एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने हेतु उनके भरपूर सहयोग की अपेक्षा की तथा परीक्षा से सम्बन्धित बिन्दुओं पर चर्चा की।

प्रश्न–पत्रों के स्वरूप के सम्बन्ध में प्रो0 जे0एन0 मिश्र (से0नि0) ने पावर प्वाइण्ट प्रजेण्टेशन के माध्यम से वस्तुनिष्ठ (Objective) एवं विस्तृत (Descriptive) दोनों प्रकार के प्रश्न–पत्रों के प्रारूप को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत किए गए प्रारूप पर समस्त पाठ्यक्रम समितियों के उपस्थित संयोजक एवं अन्य आन्तरिक सदस्यों से उनके सुझाव मांगे गए।

डॉ0 ए0सी0 सिंह, कुलभाष्कर आश्रम डिग्री कालेज ने सुझाव दिया कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्रों में समय सीमा कम की जाए जिससे कि नकल की संभावना पर रोक लगाई जा सके।

डॉ0 अजीता भट्टाचार्या, अंग्रेजी, एल0एल0एन0 डिग्री कालेज, सिरसा, इलाहाबाद ने यह मत दिया कि साहित्य के प्रश्न–पत्रों में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्र न रखे जाएं।

डॉ0 डी0पी0 ओझा, हिन्दी ने यह मत व्यक्त किया कि साहित्य विषयों में प्रतियोगी परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्र होते हैं, अतः छात्रों को उसकी तैयारी एवं पूर्वाभ्यास के दृष्टिगत् वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्र अवश्य रखे जाएं परन्तु समय सीमा कम रखने पर विचार किया जा सकता है।

डॉ0 अयोध्या नाथ त्रिपाठी, प्राचीन इतिहास, एम0डी0पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ द्वारा इस बात पर बल दिया गया है कि विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष की परीक्षाएं होनी हैं, अतः बहुत प्रकार के प्रयोग न किए जाएं।

डॉ0 राज कुमार पाण्डेय, सैन्य विज्ञान द्वारा यह कहा गया कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्रों में नकल होने की संभावना अधिक होती है, इसलिए ऐसे प्रश्न–पत्र न रखे जाए।

डॉ0 अशोक कुमार, संयोजक गणित द्वारा यह कहा गया कि लघु उत्तरीय प्रश्न अधिक होने चाहिए जिससे कि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश किया जा सके एवं डॉ0 राजीव कुमार सिंह द्वारा यह कहा गया कि गणित विषय में विस्तृत (Descriptive) प्रश्न–पत्रों में शब्द सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

डॉ0 पचौरी, शारीरिक शिक्षा द्वारा कहा गया कि उनके विषय में वस्तुनिष्ठ प्रश्न–पत्र नहीं होते हैं, इसलिए कोई समस्या नहीं है।

डॉ0 रेखा सिंह, संयोजक बी0एड्0 द्वारा यह कहा गया कि Proficiency English का प्रश्न–पत्र हिन्दी माध्यम के छात्र नहीं कर पाते हैं, जो कि अनिवार्य होता है, उन्होंने यह भी कहा कि समस्त प्रकार के प्रश्न–पत्रों का मॉडल यथाशीघ्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाए।

डॉ0 ज्योति शंकर, संयोजक कृषि संकाय ने इस बात पर बल दिया कि अंकों में एकरूपता होनी चाहिए तथा वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न–पत्रों में समयावधि कम की जा सकती है। प्रश्न–पत्रों को बाह्य प्राश्निकों से बनवाने पर कभी–कभी पाठ्यक्रम के बाहर के प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रायोगिक विषयों के एवार्ड्स ऑनलाइन जमा कराने पर विचार किया जा सकता है।

डॉ0 आर0डी0 सिंह, भूगोल, बजरंग पी0जी0 कालेज, प्रतापगढ ने कहा कि विस्तृत (Descriptive) प्रश्न–पत्रों में शब्द सीमा को हटाया जाए तथा प्रायोगिक परीक्षाओं में बाहर के परीक्षक अधिकाधिक संख्या में रखे जाएं।

डॉ0 विपिन, के0ए0डी0ए0, इलाहाबाद ने यह कहा कि विस्तृत (Descriptive) प्रकार के प्रश्न–पत्रों को शब्द सीमा में न बांधा जाए तथा मूल्यांकन में परीक्षकों द्वारा औसत मूल्यांकन न किए जाने के लिए प्रधान परीक्षक अवश्य नियुक्त किया जाए। वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्रों में नकल की गुंजाइश रहती है, इसलिए वस्तुनिष्ठ प्रश्न–पत्रों के सम्बन्ध में पुनः विचार कर लिया जाए।

डॉ0 रजनी त्रिपाठी, प्रयाग महिला विद्या पीठ, इलाहाबाद द्वारा यह कहा गया कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए प्रश्नपत्रों का स्वरूप श्रेष्ठ है तथा बहुत बदलाव न किया जाए।

डॉ0 सूर्यभान सिंह, संयोजक वाणिज्य द्वारा इस बात पर विशेष बल दिया गया कि प्रश्न–पत्रों के मॉडल उत्तर भी परीक्षकों को अवश्य दिए जाएं।